पाठ 8
मध्यप्रदेश के गौरव

आइए, सीखें : मध्यप्रदेश के दो शीर्ष व्यक्तियों के गरिमामय व्यक्तित्व का परिचय। ♦ उनके विशिष्ट मानवीय गुणों से प्रेरणा लेने के भाव जाग्रत करना । ♦ क्रिया विशेषण शब्दों का ज्ञान।

संस्कृति, साहित्य और राजनीति के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने अनेक शीर्ष पुरुष राष्ट्र को दिए हैं। जो अपने-अपने क्षेत्र में शीर्ष पर पहुँचे और प्रदेश के लिए गौरव का विषय रहे। भोपाल की गुलिया दाई गली के मध्यमवर्गीय परिवार से देश के राष्ट्रपति पद के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने वाले डॉ. शंकर दयाल शर्मा का नाम भी उन्हीं शीर्ष पुरुषों में से एक है।

डॉ. शंकर दयाल शर्मा का जन्म 19 अगस्त 1918 को हुआ था। उन्होंने अपने यशस्वी जीवन की शैक्षिक यात्रा में स्वयं को मेधावी छात्र के रूप में निरंतर प्रमाणित किया। आपने हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। लखनऊ विश्वविद्यालय से एल.एल.एम. तथा केम्ब्रिज विश्वविद्यालय से कानून में पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त करने के उपरांत आपने लखनऊ विश्वविद्यालय और केम्ब्रिज विश्वविद्यालय लंदन में अध्यापन कार्य किया।

काव्य, शास्त्रीय संगीत, और साहित्य में उनकी रूचि तो थी ही, खेल-कूद क्रीड़ाओं में भी उनकी गहरी दिलचस्पी थी। वे तैराकी में लखनऊ विश्वविद्यालय के चेम्पियन थे। 'प्रतिष्ठित भारतीय' 'हमारे चिंतन की मूल धारा व' 'देश मणि' इनके द्वारा लिखी गई पुस्तकें हैं। इन्हें विभिन्न देशों द्वारा मानद उपाधियों से विभूषित किया गया।

डॉ. शर्मा ने 7 नवंबर 1948 को सीहोर की एक विशाल जनसभा में विलीनीकरण आंदोलन के लिए जनआह्वान के साथ अपने सार्वजनिक जीवन का प्रारंभ किया। इस आंदोलन के सिलसिले में इन्हें जेल की यात्रा भी करनी पड़ी। आप 1952,1957,1962 में मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए। आप 1952 में तत्कालीन भोपाल राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री के पद पर तथा उसके पश्चात् मध्यप्रदेश राज्य के शिक्षा, विधि, लोक निर्माण और वाणिज्य मंत्री भी रहे।

शिक्षण संकेत -
♦ साहित्य, कला, संगीत, राजनीति व विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले शीर्ष पुरूषों का परिचय देते हुए पाठ का आरंभ करें। ♦ शुद्ध उच्चारण पर ध्यान देते हुए पाठ का पठन-पाठन करें- करवाएँ।
♦ 'द्य' 'ध' 'घ' 'स्व' आदि शब्दों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।

डॉ. शर्मा 1967 में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने। वे 1971 तथा 1980 में भोपाल से लोक सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए। 1972 में डॉ. शर्मा कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 1974 से 1977 तक आप भारत सरकार के संचार मंत्री रहे। आपने आंध्र प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र के राज्यपाल पदों की गरिमा को भी बढ़ाया। 21 अगस्त1987 को आप उपराष्ट्रपति पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। 25 जुलाई 1992 को आप देश के नवें राष्ट्रपति के रूप में भारतीय गणतंत्र के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए।

डॉ. शर्मा देश के स्वाधीनता संग्राम के अग्रणी योद्धा और साक्षी रहे हैं। आपने अपने राजनीतिक जीवन से भारत के महान व्यक्तियों की गौरवशाली परंपरा को सार्थक बनाया। आप जिन सार्वजनिक पदों पर आसीन हुए, आपने उनमें आध्यात्मिक और लौकिक मूल्यों का साहसिक संतुलन बनाए रखा। डॉ. शर्मा ने जब भी जहाँ भी राजनीति में नैतिक मूल्यों का क्षरण होते देखा, वहाँ अपना विवेकपूर्ण हस्तक्षेप अवश्य किया। आपने अवमूल्यित राजनीति के संदर्भ में सदैव वैचारिक जिज्ञासा, सांस्कृतिक आत्मविश्वास तथा सृजनात्मक विमर्श के प्रतिमानों को अनेक मंचों से अभिव्यक्ति प्रदान की।

देश के सर्वोच्च पद रहने के बाद भी यदि किसी में दंभ का लेश न हो तो यह व्यक्तित्व की महानता ही कही जाएगी। और डॉ. शर्मा में यह महानता थी। ईश्वर के प्रति दृढ़ आस्था और जन-जन के प्रति प्रेम उनमें कूट-कूट कर भरा था। प्रातः 9 बजे से अपराह्न 1.30 बजे तक प्रतिदिन वे जन-सामान्य से मिलते थे। यह मिलन इतना आत्मीय होता था मानो वे उनके परिवार के सदस्य हों।

भारतीय लोकतन्त्र के इतिहास में इसे विरल संयोग ही माना जाएगा कि एक ही समय में मध्यप्रदेश की विभूतियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पद को गौरवान्वित किया। प्रधानमंत्री के पद को सुशोभित करने वाले मध्यप्रदेश के दूसरे गौरव हैं- अटलबिहारी वाजपेयी।

महात्मा गांधी के अँग्रेजों, भारत छोड़ो आन्दोलन में किशोरावस्था में भाग लेकर 24 दिनों की जेल यात्रा करने वाले अटलबिहारी वाजपेयी का जन्म ग्वालियर जिले की एक साधारण सी जगह शिन्दे की छावनी में 25 दिसम्बर 1925 को हुआ।

माता कृष्णादेवी धार्मिक संस्कारों वाली महिला थीं। घर में पठन-पाठन का वातावरण था। घरेलू संस्कारों का प्रभाव बालक पर पड़ना ही था। अटलजी सहज, सरल और भावुक-हृदय के धनी बन गए। गरीब बच्चों को पढ़ाना, उनके लिए पुस्तकें एकत्र कर उनकी सहायता करना उनका सदा प्राथमिक प्रयत्न रहा है। गरीबों की यथासंभव मदद वे छात्र-जीवन से ही करते रहे हैं।

उनके पिता श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी अध्यापक एवं कवि थे। अपने पिता की रचनाएँ पढ़ते-पढ़ते अटलजी तुकबन्दी करने लगे। उनकी रचनाओं की प्रशंसा होने लगी तो हिन्दी साहित्य सभा की गोष्ठियों में जाने लगे। उन दिनों घनाक्षरी और सवैया छन्द विशेष पसन्द किए जाते थे। अटल ने ब्रजभाषा में रचनाएँ की।

भारतीय जनसंघ की स्थापना में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। 1968 से 1973 तक वे उसके प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देश पर वे कानपुर गए और 'राष्ट्रधर्म' के प्रथम संपादक के रूप में कार्यभार संभाला। पत्रकारिता जगत् में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने 'स्वदेश' 'पाञ्चजन्य' और 'वीर अर्जुन' जैसे पत्रों का संपादन किया। राजनीति में उनकी रूचि स्वाभाविक ही थी।

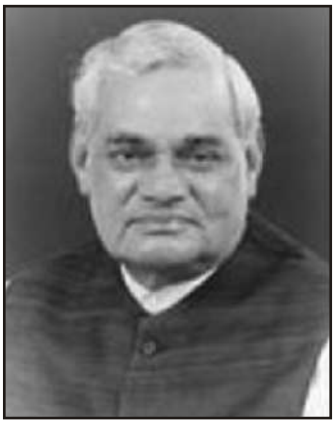

1957 में वे बलरामपुर (उ.प्र.) से लोकसभा के सदस्य के रूप में चुने गए। इसके बाद वे निरन्तर राजनीति में सक्रिय रहे। 1996 में वह प्रधान मंत्री बने। विपरीत परिस्थितियों के चलते उन्होंने स्वयं 31 मई 1996 को त्याग-पत्र दे दिया। 1998 में पुनः प्रधानमंत्री चुने गए। उनकी सरकार 13 माह चल सकी। 13 अक्टूबर 1999 में एक बार फिर प्रधानमंत्री का पदभार संभाला और उनके कार्यों की सराहना हुई। अटलजी के विशिष्ट कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें 'पद्मभूषण' की उपाधि से अलंकृत किया गया। उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ ने उन्हें 'हिन्दी गौरव विभूति' से सम्मानित किया। 'मेरी इक्यावन कविताएँ,' 'कैदी कविराय की कुण्डलियाँ', 'न देन्यं न पलायनम्' 'मेरी संसदीय यात्रा' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

अपनी भाषण-शैली और तथ्य-प्रस्तुति की अनूठी कला के कारण अटली जी संसद में ही नहीं संसद के बाहर भी इतने ही लोकप्रिय हैं कि सांसद ही नहीं जन सामान्य भी उन्हें सुनने के लिए लालायित रहते हैं। उनके भाषण कवित्वमय, साहित्यक और प्रेरक होते हैं। वे समयानुकुल श्रोताओं और सभाओं में भाव जगाने में भी समर्थ होते हैं।

मध्यप्रदेश के गौरव डॉ.शकरदयाल शर्मा और अटलबिहारी वाजपेयी दोनों ही अध्यापन से जुड़े रहे दोनों की रूचि ज्ञान-दान में एक सी थी।

नए शब्द -

सर्वोच्च = सबसे ऊँचा। **आजीवन** = जीवन भर। **सक्रियता** = क्रियाशीलता । **विपरीत** = उलटी, प्रतिकूल । **सराहना** = प्रशंसा । **ख्यात** = प्रसिद्ध।

अनुभव विस्तार

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न –**

(क) सही जोड़ी बनाइए –

मध्यप्रदेश की दो विभूतियाँ	–	भोपाल की गुलियादाई गली में जन्में।
डॉ. शंकर दयाल शर्मा	–	डॉ. शंकरदयाल शर्मा, अटलबिहारी वाजपेयी।
अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म	–	केम्ब्रिज विश्वविद्यालय से विधि में पी–एच.डी. की।
डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने	–	ग्वालियर जिले में हुआ।

(ख) दिए गए विकल्पों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

(अ) डॉ. शंकर दयाल शर्मा का जन्म ....ई. को हुआ था।

(19 अगस्त 1918 , 29 अगस्त 1928)

(ब) डॉ. शर्मा तैराकी में..................के चैम्पियन रहे थे।

(विक्रम विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय)

(स) अटल बिहारी वाजपेयी की माताजी का नाम ....था।

(कृष्णा देवी, राधा देवी)

(द) अटल जी के विशेष कार्यों को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें.............से अलंकृत किया। (पद्मश्री, पद्मभूषण)

2. **अति लघु उत्तरीय प्रश्न–**

(अ) डॉ. शर्मा लोगों से किस प्रकार मिलते थे?

(ब) डॉ. शंकरदयाल शर्मा ने भारत के किस गरिमामय सर्वोच्च पद को सुशोभित किया था?

(स) अटल जी ने किन–किन पत्रों का सम्पादन किया ?

(द) अटल बिहारी वाजपेयी प्रथम बार प्रधानमंत्री कब बने?

3. **लघु उत्तरीय प्रश्न-**

(अ) डॉ. शंकरदयाल शर्मा की शिक्षा के बारे में लिखिए।

(ब) डॉ. शर्मा ने किन-किन पुस्तकों की रचना की?

(स) डॉ. शंकरदयाल शर्मा जन समान्य से कब मिलते थे?

(द) अटल जी की काव्य सृजन में रूचि कैसे जागृत हुई?

(ई) अटल जी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

भाषा की बात-

1. **बोलिए और लिखिए-**

प्रतिनिधि, विश्वविद्यालय, स्वतंत्रता-संग्राम, सर्वोच्च

2. **सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला लगाइए-**

साहित्य	-	सहित्य	-	साहीत्य
उर्तिण	-	उत्तीर्ण	-	उतीरण
राष्टपति	-	राश्ट्रपति	-	राष्ट्रपति
ग्वालियर	-	गवालियर	-	ग्वालीयर

■ **ध्यान दीजिए-**

सोहन सुबह ही चला गया और जल्दी - जल्दी कार्य निपटाकर वापस आ गया। घर आकर उसने ऊपर नीचे देखा और फिर थोड़े ही समय में पुनः वापस चला गया।

रेखांकित शब्द क्रिया की विशेषता बता रहे हैं। सुबह शब्द क्रिया की (काल) समय संबंधी विशेषता बता रहा है, जल्दी जल्दी शब्द (रीति) कार्य करने के तरीके की विशेषता बता रहा है, ऊपर-नीचे (स्थान) जगह की और थोड़े ही (परिमाण) कार्य की मात्रा की विशेषता बता रहा है। क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।

3. **नीचे दिए वाक्यों में क्रिया विशेषण के शब्द छाँटकर लिखिए-**

1. वे धूप में बाहर बैठे थे। ....
2. वह थोड़ा लुढ़क गया। ....

3. लड़की जोर-जोर से चीख रही थी। ....

4. राम अपनी बहन को बहुत सता रहा था।...........................

4. उदाहरण के अनुसार नीचे लिखे शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए-

शब्द	**मूल शब्द**		**प्रत्यय**
धनवान	धन	+	....
पुस्तकीय	....	+	....
सक्रियता	....	+	....
गाड़ीवान	....	+	....
विशेषता	....	+	....
कृतित्व	....	+	....

अब करने की बारी

- डॉ. शंकर दयाल शर्मा तथा अटल बिहारी वाजपेयीजी के व्यक्तित्व की जिस बात ने आपको प्रभावित किया, अब की बार शाला की फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में उनका रूप धारण कर वही बात कहिये।

विविध प्रश्नावली-1

प्रश्न 1 सही जोड़ी बनाइए-

सुसंस्कृत	-	अभिमान
सामंजस्य	-	अच्छे संस्कार वाला
आचरण	-	औचित्य
दंभ	-	व्यवहार

प्रश्न 2 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

1. महात्मा बुद्ध का हृदय संसार के कष्टों को देखकर .... था। (दु:खी,सुखी)
2. जाँच-पड़ताल और .... लोगों तक पहुँचने के लिए पुलिस को लोगो से पूछताछ करनी पड़ती है। (निर्दोष,दोषी)
3. जिस रास्ते से ग्वालिन गुजरी थी,उस रास्ते का नाम राजा ने रखा था..............(हीरा-कुणी,सोनी-कुणी)
4. चाँद बाँटता................सबको,बादल वर्षा-जल दे जाते।(रोशनी,अमृत)
5. डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा भारत के .... राष्ट्रपति थे। (नवें,दसवें)

प्रश्न 3 अति लघुउत्तरीय प्रश्न -

1. अटलबिहारी वाजपेयी ने भारत के किस गरिमामय पद को सुशोभित किया?
2. वृक्ष हमें क्या देते हैं?
3. कुणी किसका नाम था?
4. सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के प्रति आपका क्या कर्तव्य है?
5. महात्मा बुद्ध जंगल की ओर क्यों जा रहे थे?
6. विनम्र व्यक्ति की क्या पहचान है?
7. सरदार पटेल का स्वभाव कैसा था?
8. 'एक वेश' से कवि उदयशंकर भट्ट का क्या आशय है?

प्रश्न 4- लघु उत्तरीय प्रश्न-

(1) 'जिएँ देश के लिए जिएँ हम' पंक्ति से कवि का क्या आशय है?
(2) विनम्र व्यक्ति का व्यवसाय हमेशा क्यो फलता- फूलता है?
(3) महात्मा बुद्ध के मन में जंगल में जाते समय क्या- क्या विचार आ रहे थे?
(4) हम पुलिस को किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं?

(5) सरदार पटेल को 'लौह पुरुष' क्यों कहा जाता है?

(6) हीरा अपने बच्चे से मिलने के लिए क्यों छट- पटा रही थी?

(7) 'दधीचि' ऋषि कौन थे?

(8) मध्यप्रदेश ने कौन -कौन से शीर्ष पुरुष राष्ट्र को दिए हैं?

प्रश्न 5 **निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ लिखिए -**

गहरी नदियाँ, निर्झर, नाले, निर्मल जल दिन- रात बहाते
ऊँचे- नीचे पर्वत ही तो, इन सोतों के जनक कहाते।

प्रश्न 6 **'अहिंसा की विजय' अथवा 'हीरा कुणी' में से किसी एक कहानी का सारांश लिखिए।**

प्रश्न 7 (अ) **विलोम शब्द लिखिए-**

औपचारिक, शांति, दिन, कृतज्ञ

(ब) **निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग करके लिखिए-**

अभिरूचि, अपमान, अनाचार, प्रतिकार

(स) **दिए गए शब्दों में से तत्सम, तद्‌भव तथा विदेशी शब्द छाँट कर लिखिए-**

रिकार्ड, दुग्ध, टिकिट, कान, पृष्ठभूमि, घर

(द) **निम्नलिखित शब्दों में से संज्ञा, विशेषण तथा सर्वनाम छाँटकर लिखिए-**

तुम्हारा, फूल, लाल, हमारा, राजा, कोमल

प्रश्न 8 **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

(अ) धीरज, सावधान, प्रेमपूर्वक

(ब) पाठ्‌य पुस्तक में पढ़ी हुई किसी कविता की चार पंक्तियाँ लिखिए।